आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 26.08.2025
समय 1830

मुख्य समाचारः–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में मेड इन इंडिया बैटरी चालित इलेक्ट्रिक वाहन ई–विटारा को झंडी दिखाई और हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड्स निर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा देहरादून स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।
- मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सहकारिता विभाग की समीक्षा की। एमपैक्स का कंप्यूटरीकरण और डेटा माइग्रेशन कार्य को 31 दिसम्बर तक पूरा करने के निर्देश दिए।
- चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी और पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने आपदा प्रभावित थराली में भूस्खलन स्थलों का निरीक्षण किया।

प्रधानमंत्री/मेक इन इंडिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत की मेक इन इंडिया यात्रा में एक नया अध्याय जुड रहा है। उन्होंने कहा कि आज मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड के राष्ट्रीय लक्ष्य में एक महत्वपूर्ण दिन है। वे गुजरात में टीडीएस लिथियम आयन बैटरी संयंत्र में हाईब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के उत्पादन का शुभारंभ करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अवसर, भारत और जापान के बीच की मित्रता को नया आयाम देगा।
इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने आज गुजरात के हंसलपुर से मेड इन इंडिया बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन ई–विटारा को झंडी दिखाई। उन्होंने अहमदाबाद में हंसलपुर में सुजुकी मोटर के संयंत्र में प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज विधानसभा देहरादून में स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विधानसभा सचिवालय, मंत्रियों के कक्षों और अन्य प्रशासनिक कार्यालयों का अवलोकन करते हुए कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों औरं कर्मचारियों को पारदर्शिता, त्वरित कार्य निष्पादन और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सेवा भाव से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं, अभिलेख प्रबंधन, डिजिटलीकरण की स्थिति और आमजन व जनप्रतिनिधियों के कार्यों से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता को सुगम, पारदर्शी और त्वरित सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस दिशा में विधानसभा के कार्यकलापों को भी तकनीकी दृष्टि से और अधिक सक्षम तथा आधुनिक बनाने की दिशा में कार्य किए गए हैं।

रीप परियोजना

ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत संचालित ग्रामोत्थान रीप परियोजना, स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम कर रही है। ये परियोजना विशेष रूप से अत्यंत गरीब श्रेणी की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर आत्मनिर्भरता की नई राह दिखा रही है। ग्रामोत्थान रीप परियोजना का एक जीवंत उदाहरण हरिद्वार जिले में लक्सर विकासखंड के कंकरखाता गांव की बीना हैं। दिव्यांग होने के कारण बीना के पास आजीविका का कोई निश्चित साधन नहीं था, जिससे उन्हें अपने परिवार

का भरण–पोषण करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बीना, महिला शक्ति स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं, जो संगम सीएलएफ के अंतर्गत आता है। ग्रामोत्थान परियोजना की टीम ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनकी स्थिति को समझा। बीना ने एक प्रोविजन स्टोर खोलकर अपनी आजीविका शुरू करने की इच्छा व्यक्त की। इस पर अत्यंत गरीब श्रेणी गतिविधि के तहत उनकी मदद की गई। इसके तहत उन्होंने 39 हजार 500 रुपए की लागत का एक प्रोविजन स्टोर खोला, जिसमें उन्होंने मात्र साढ़े चार हजार रुपये का अंशदान दिया और शेष 35 हजार रुपये की राशि परियोजना के तहत ब्याज–मुक्त ऋण के रूप में दी गई। इस वित्तीय सहायता से बीना ने अपना प्रोविजन स्टोर स्थापित किया है और सम्मान के साथ अपने परिवार का भरण–पोषण कर रही हैं।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आज सचिवालय में सहकारिता विभाग की समीक्षा की। उन्होंने एमपैक्स का कंप्यूटरीकरण और डेटा माइग्रेशन कार्य को 31 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पहली जनवरी, 2026 से फिजिकल डेटा पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिलों में जिलाधिकारी और जिला स्तरीय सहकारिता अधिकारी व राज्य स्तर पर सचिव इसकी निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा कि एमपैक्स के माध्यम से चलायी जा रही प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों में लेनदेन बहुत ही कम है। उन्होंने इसे बढ़ाये जाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए। श्री बर्द्धन ने कहा कि इस साल के अंत तक इसे 2 करोड़ रुपए मासिक तक पहुँचाये जाने के प्रयास किये जायें। मुख्य सचिव ने राज्य की अछूती ग्राम पंचायतों तक सहकारी संस्थाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए नए एमपैक्स, दुग्ध और मत्स्य समितियों का गठन करने के भी निर्देश दिए। साथ ही आधुनिक तकनीकों के माध्यम से दूध उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डेयरी को एक स्थायी आजीविका के रूप में बढ़ावा देकर महिलाओं और ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

जिलाधिकारी जायजा

चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी और पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने आज आपदा प्रभावित थराली में भूस्खलन स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राड़ीबगड़, कोटडीप और अस्पताल मोहल्ले का जायजा लेते हुए वहां पहाड़ी पर अटके बड़ी चट्टानों के निस्तारण के लिए सिंचाई विभाग, भूगर्भ विभाग, पीएमजीएसवाई और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने थराली–डूंगरी पक्की सड़क पर आई दरारों और आपदा से क्षतिग्रस्त भवनों का भी निरीक्षण किया और तहसील स्तर के अधिकारियों को नुकसान का विस्तृत आकलन कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, थराली का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस स्थिति में प्रशासन प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है।

सामूहिक खेती चम्पावत

चम्पावत जिले में बाराकोट विकासखंड में बिसराड़ी गांव के ढुंगा जोशी की बंजर भूमि को माधो सिंह भंडारी कृषि सहकारी योजना से आबाद कर सामूहिक खेती की योजना बनाई जा रही है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस.खाती ने बताया कि ढुंगा जोशी में 22 परिवारों की एक हजार नाली से अधिक भूमि पर सामूहिक खेती योजना का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं, ग्रामीण अनिल जोशी का कहना है कि जिला प्रशासन की यह पहल सराहनीय है। इससे स्थानीय लोगों को स्वरोजगार मिलने के साथ ही गांव से पलायन रोकने में भी मदद मिलेगी।